देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 22.04.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- विधि–विधान के साथ केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुले। "हर–हर महादेव" और "जय श्री केदार" के उद्घोष से गूंज उठा पूरा धाम।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चारधाम आने वाले तीर्थयात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण सहित पांच संकल्पों का पालन करने का आग्रह किया है।
- पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर भारतीय सेना ने आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी।
- एनडीएमए के सदस्य डॉ. दिनेश कुमार असवाल ने आपदा प्रबंधन विभाग और राज्य के सभी जिलों की तैयारियों का व्यापक आकलन किया।

केदारनाथ कपाट

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट आज सुबह आठ बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि–विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। कपाट खुलते ही पूरा धाम "हर–हर महादेव" और "जय श्री केदार" के उद्घोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं में उत्साह और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। इस दौरान हेलीकॉप्टर से मंदिर पर पुष्प वर्षा की गई। धाम में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने का आह्वान भी किया।

प्रधानमंत्री / संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड आने वाले तीर्थयात्रियों से पांच संकल्पों का पालन करने का आग्रह किया है। इनमें स्वच्छता बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण, सेवा और सहयोग की भावना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना तथा यात्रा के नियमों का पालन शामिल हैं। आज केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर सोशल मीडिया पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरती पर चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि बाबा केदार के दर्शन सहित चारों धामों की यह पावन यात्रा भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना का एक भव्य उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज भी हिमालय की गोद में विराजमान ये चारों धाम हमारी शाश्वत आस्था और विश्वास के दिव्य केंद्र हैं। हर वर्ष विविध भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों के लोग यहां पहुंचते हुए एक भारत–श्रेष्ठ भारत के भाव को और अधिक सशक्त करते हैं। इस वर्ष की यात्रा भी इसी परंपरा का विस्तार है। श्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखंड में विकास का जो महायज्ञ चल रहा है, उसने चारधाम यात्रा को

पहले से अधिक सुगम, सुरक्षित और दिव्य बनाया है। इससे श्रद्धालुओं, संतजनों और पर्यटकों को सुविधा हो रही है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड आने वाले अतिथियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी यात्रा के दौरान डिजिटल उपवास रखते हुए, उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता को जीने का प्रयास भी करें। इससे उन्हें एक अलग संतुष्टि भी मिलेगी।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से लोक भवन में राष्ट्रीय सेवा योजना– एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों ने मुलाकात की। इन स्वयंसेवकों ने इस साल 26 जनवरी को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में राज्य का प्रतिनिधित्व किया था। साथ ही राष्ट्रपति से सम्मानित एनएसएस स्वयंसेवकों ने भी मुलाकात की। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सेवा भाव के साथ एन.एस.एस. से जुड़ना युवाओं के लिए गौरव और जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड जैसे वैश्विक महत्व के मंच पर उत्तराखण्ड का प्रतिनिधित्व करना अत्यंत सम्मानजनक उपलब्धि है। राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह उपलब्धि लाखों युवाओं में से चुनिंदा लोगों को ही प्राप्त होती है और यह न केवल व्यक्तिगत सफलता, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।

पहलगाम बरसी

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की आज पहली बरसी है। पिछले साल इसी दिन, पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। इनमें ज्यादातर लोग पर्यटक थे इस जघन्य कृत्य ने पूरे देश को झकझोर दिया था। दुनिया भर की सरकारों और नेताओं ने इसकी कड़ी निंदा की थी। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में, भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले साल 6 और 7 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। ऑपरेशन सिंदूर को याद करते हुए भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया है। जिसमें उन्होंने आतंकवादियों को कड़ी चेतावनी देते कहा है कि 'जब मानवता की सीमाएं पार होती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है।

एनडीएमए

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण– एनडीएमए के सदस्य डॉ. दिनेश कुमार असवाल ने देहरादून में आपदा प्रबंधन विभाग और राज्य के सभी जिलों की तैयारियों का व्यापक आकलन किया। उन्होंने जिलों की क्षमताओं का परीक्षण करते हुए तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन के तहत आपदा जोखिम न्यूनीकरण को केंद्र में रखते हुए कार्य किया जाए और आपदा पूर्व तैयारी, जोखिम पहचान और न्यूनीकरण उपायों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। डॉ. असवाल ने कहा कि उत्तराखंड में भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली का विकास समय की आवश्यकता है। उन्होंने इसके लिए एनडीएमए स्तर

पर हर संभव तकनीकी और संस्थागत सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने राज्य के सभी जिलों में मोबाइल कनेक्टिविटी के लिहाज से शैडो एरिया को चिन्हित करने और इन क्षेत्रों की सूची एनडीएमए को भेजने के निर्देश दिए। इन क्षेत्रों में संचार सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एनडीएमए टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं को आवश्यक दिशा–निर्देश देगा। युवा आपदा मित्र योजना की समीक्षा करते हुए डॉ. असवाल ने सामुदायिक सशक्तीकरण को आपदा प्रबंधन की सबसे मजबूत कड़ी बताया और अधिक से अधिक लोगों को प्रशिक्षण से जोड़ने पर जोर दिया।

दूर संचार

बागेश्वर जिले में संचार सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने टेलीकॉम समिति की बैठक लेकर दूरसंचार सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी कंपनियों को टावरों को पूरी तरह सक्रिय रखने और बीएसएनएल को तीन दिन के भीतर ग्राम प्रधानों से प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्माण कार्यों के दौरान लाइनों को नुकसान से बचाने के लिए विभागों को समन्वय के निर्देश दिए गए। इसके आलावा भारत नेट योजना की निगरानी के लिए नोडल अधिकारी तैनात करने और वी–सैट की क्रियाशीलता जांचने के साथ जरूरत पड़ने पर नए वी–सैट खरीदने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बताया गया कि फोर–जी सैचुरेशन योजना के तहत 48 टावर स्थापित हो चुके हैं, जबकि सात नए टावर प्रस्तावित हैं।